

Padma Shri



SMT. DULARI DEVI

Smt. Dulari Devi is an artist and illustrator from Bihar, working in Madhubani art tradition.

2. Born on 27th December, 1965, in the marginalized Mallaha caste, Smt. Dulari Devi did not receive any formal education. She learned to draw and illustrate in the Madhubani style while she was working as a domestic servant in the home of Madhubani artist, Ms. Mahasundari Devi. Ms. Devi introduced her to another artist, Ms. Karpoori Devi who also taught her Madhubani art and techniques.

3. Apart from painting walls in Madhubani style, Smt. Dulari Devi has also been painting on handmade paper, silk sarees, canvas etc. She has visited a number of states like Karnataka, Kerala, Haryana, Tamil Nadu etc. and has painted Mithilia Folk Art on walls. She has been imparting training in Madhubani art through Mithila Kala Sansthan. She has participated in several exhibitions organized by different institutions including Bihar Lalit Kala Academy, Suraj Kund International Fair etc. An illustrative autobiography of Smt. Dulari Devi, 'Following My Paint Brush' has been published by Tara Books Private Ltd. in 2011.

4. Smt. Dulari Devi has received a number of honours and awards from various organizations including Lalit Kala Academy in 1999; Directorate of Cultural Affairs, Patna, Bihar in 1995; Bihar Chetna Samiti in 2011 etc. She also received the State Award from the Government of Bihar in 2012-13.



श्रीमती दुलारी देवी

श्रीमती दुलारी देवी बिहार की एक कलाकार और चित्रकार हैं और मधुबनी चित्रकारी करती हैं।

2. 27 दिसंबर, 1965 को पिछड़ी हुई मल्लाह जाति में जन्मी श्रीमती दुलारी देवी ने कोई औपचारिक शिक्षा प्राप्त नहीं की। उन्होंने मधुबनी कलाकार सुश्री महासुंदरी देवी के घर नौकरानी के रूप में काम करते हुए मधुबनी चित्रकारी सीखना शुरू किया। सुश्री देवी ने उन्हें एक अन्य कलाकार, सुश्री कर्पूरी देवी से मिलवाया और उन्होंने भी श्रीमती दुलारी को मधुबनी कला और तकनीक सिखाई।
3. मधुबनी शैली में दीवारों पर चित्रकारी के अलावा, श्रीमती दुलारी देवी हस्तनिर्मित कागज, रेशम की साड़ियों, कैनवस आदि पर भी चित्रकारी करती रही हैं। उन्होंने कर्नाटक, केरल, हरियाणा, तमिलनाडु आदि जैसे कई राज्यों का दौरा किया है और दीवारों पर मैथिली लोक कला को चित्रित किया है। वह मिथिला कला संस्थान के माध्यम से मधुबनी कला का प्रशिक्षण देती रही हैं। उन्होंने बिहार ललित कला अकादमी, सूरज कुंड अंतरराष्ट्रीय मेला आदि सहित विभिन्न संस्थानों द्वारा आयोजित कई प्रदर्शनियों में भाग लिया है। वर्ष 2011 में तारा बुक्स प्राइवेट लिमिटेड द्वारा श्रीमती दुलारी देवी की एक चित्रात्मक आत्मकथा, 'फॉलोइंग माई पेंट ब्रश' प्रकाशित की गई है।
4. श्रीमती दुलारी देवी को वर्ष 1999 में ललित कला अकादमी; वर्ष 1995 में सांस्कृतिक कार्य निदेशालय, पटना, बिहार; वर्ष 2011 में बिहार चेतना समिति आदि सहित विभिन्न संगठनों से अनेक सम्मान और पुरस्कार प्राप्त हुए हैं। उन्हें वर्ष 2012-13 में बिहार सरकार से राज्य पुरस्कार भी मिला।